SNEH TEACHERS TRAINING COLLEGE, JAIPUR
"Foster Emotional Intelligence in Youth Through Education" (ICFEIYE-2024)
DATE: 15 April 2024
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

The Role of Emotional Intelligence in Adequate Leadership

Mr. Ravi Kumar Sharma, Administrator, Sneh Teacher's Training College, Muhana, Sanganer, Jaipur. Email Id : - MR.RAVISHARMA1990@GMAIL.COM

सारांश

भावनात्मक बुद्धिमत्ता हमें एक नेता अथवा प्रबंधक के रूप में पारस्परिक संबंधों को विवेकपूर्ण और सहानुभूतिपूर्वक संभालने में सक्षम बनाती हैं। नेतृत्व प्रभावषाली बनाने के लिए आवष्यक है कि नेता अपने कर्मचारियों के साथ भावनात्मक रूप से जुड़े। भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ नेतृत्व करने की क्षमता विकसित करके एक प्रभावषाली नेता की भूमिका निभाई जा सकती है। क्योंकि इसके माध्यम से आप अपने कर्मचारियों के भीतर से उनके सर्वश्रेष्ठ को बाहर निकाल सकते है, उनके साथ सहानुभूतिपूर्ण रहकर तथा उनको सराहना का एहसास करवाकर आप एक मजबूत संचारक अथवा प्रबंधक बन सकते हैं।

किसी भी संस्था अथवा संगठन को चुनौतीपूर्ण समय में अथवा भविष्य के लिए मजूबत एवं सुसज्जित बनाना है तो इसमें सबसे बड़ी भूमिका कर्मचारियों की प्रतिबद्धता की होती है। यदि वे अपने कार्य के प्रति प्रतिबद्ध होते है तो वे अधिक उत्पादक होते है तथा संस्था की लाभप्रदता पर सकरात्मक प्रभाव डालते है। अतः एक कुषल एवं प्रभावषाली प्रबंधक होने के नाते अपने कर्मचारियों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार, समय–समय पर प्रेरित करना, सहकर्मियों के साथ बातचीत, संघर्ष और रिष्ते में संतुलन, उपलब्धि एवं असफलता, प्रयास और थकान, परिवर्तन और अनिष्चितता आदि में एक संतुलन बनाकर चलना होगा क्योंकि प्रत्येक कार्य स्थिति में उनकी भावनाएँ अंतर्निहित हो सकती है। इस दिषा में संवेगात्मक बुद्धि महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

मुख्य शब्द – संवेगात्मक बुद्धि, नेतृत्व, प्रबंधक

IAJESM
Quality Of Work... Never Ended...